भट्टारक वर्द्धमान द्वितीय

जीवन-परिचय : भट्टारक वर्द्धमान-द्वितीय भट्टारक देवेन्द्रकीर्ति के शिष्य थे। ये अपने समय के प्रसिद्ध विद्वान थे। इससे अधिक परिचय इनका ज्ञात नहीं होता है।

रचना-परिचय : वर्द्धमान द्वितीय की एक ही रचना दशभक्त्यादि महाशास्त्र उपलब्ध है, जो संस्कृत में लिखी गयी है।